

12/8/24 आज यह पत्रावली पेश हुई।
वरीय प्राप्ति उपर। पत्रावली का मूल वाद
डिमी किया जा चुका है। शकालिय यह
में आगे कापवाही डायरि नही है। यह
पत्रावली वही रन्धर पर श्रेय ही जाती
है। पत्रावली जेठल नम्बर से कसू है।
वाद होकर मूल वाद के लाभ संलग्न है।

